b&lekpkj i=

प्रज्ञान

';okvk dk ep'

सप्ताह का विचार

हमारा कर्तव्य है कि हम हर किसी को उसका उच्चतम आदर्श जीवन जीने के संघर्ष में प्रोत्साहन करें और साथ ही साथ उस आदर्श को सत्य के जितना निकट हो सके लाने का प्रयास करें

–स्वामी विवेकानंद

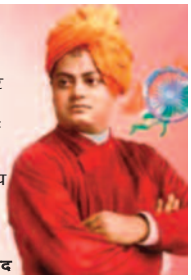

fnukd% 13 vxLr] 2016 ¼lkIrkfgd½ o"k 1] vad 19

मांगल्य प्रेक्षागृह में उपस्थित छात्र–छात्राएं, दीप प्रज्वलित करते कुलपति व डा. निखिल श्रीवास्तव और गीत प्रस्तुत करते ललित कला विभाग के छात्र–छात्राएं।

खुदीराम बोस को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

सुभारतीपुरम। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के मांगल्य प्रेक्षागृह में गुरुवार को शहीद खुदीराम बोस की पुण्यतिथि के अवसर पर सुभारती दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं को शहीद खुदीराम बोस के जीवन से जुड़ी घटनाओं से अवगत कराया गया। साथ ही क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनके आहूजा ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा, सेवा और संस्कार प्रदान कर विद्यार्थियों के राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करना है। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की शिक्षण प्रणाली एवं विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट आचरण से सभी को अवगत कराया। समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न समितियों के अध्यक्ष एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों को छात्र कल्याण की विभिन्न योजनाओं, नियमों एवं समितियों की कार्यप्रणाली का परिचय दिया।

खुदीराम बोस का परिचय देते हुए संस्कृति विभाग के साधक सचिव डॉ. विवेक संस्कृति ने बताया कि विश्वविद्यालय का संस्कृति विभाग छात्र–छात्राओं में संस्कार रोपित करने का कार्य कर रहा है। विभाग हर माह किसी न किसी महापुरुष, स्वतंत्रता सेनानी या क्रांतिकारी के जन्मदिन और पुण्यतिथि के अवसर पर सुभारती दिवस का आयोजित करता है। इस तरह के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को उन महापुरुषों के जीवन से प्रेरित कर इन्हें राष्ट्रहित में काम करने के लिए जागरुक करना है। उन्होंने बताया कि अब से सुभारती दिवस का आयोजन और भी अधिक भव्य समारोह के रूप में किया जाएगा।

समारोह में डीन छात्र कल्याण डॉ. प्रदीप राघव ने छात्र कल्याण योजनाओं का परिचय दिया वहीं रैगिंग निरोधक दस्ते के अध्यक्ष डॉ. वैभव गोयल भारती ने बताया कि सुभारती विश्वविद्यालय रैगिंग मुक्त परिसर है। डॉ. अंजली खरे ने इंटर कम्पलेंड कमेटी का परिचय दिया और चीफ प्रोक्टर डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया।

विश्वविद्यालय खेल समिति की जानकारी डॉ. संदीप चौधरी ने दी और डॉ. भावना ग्रोवर ने संस्कृति समिति की गतिविधिओं का प्रस्तुतिकरण दिया। डॉ. सुधीर त्यागी ने सभागार में मौजूद विद्यार्थियों को पुस्तकालय की सुविधाओं से अवगत कराया, वहीं डॉ. बलविन्दर बेदी ने हॉस्टल की सुविधाओं से अवगत कराया। छात्रवृत्ति योजनाओं का परिचय वित्त सलाहकार राजेश मिश्रा ने दिया तथा परीक्षा नियंत्रक डॉ. रविन्द्र कौर ने निष्पक्ष मूल्यांकन एवं परीक्षा प्रणाली के बारे में बताया।

अंत में विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं पर्यावरण समिति के अध्यक्ष डॉ. वीके भटनागर ने बाताया कि विश्वविद्यालय इको फ्रैंडली परिसर है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विवेक संस्कृति ने किया। समारोह का संचालन डॉ. नीरज कर्ण सिंह तथा डॉ. विवेक संस्कृति ने संयुक्त रुप से किया। समारोह का संयोजन इंजीनियरिंग विभाग के निदेशक डॉ. जयंत शेखर ने किया।

समारोह का समापन वंदेमातरम प्रस्तुत कर किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समारोह संयोजन समिति के विभिन्न अधिकारियों, सभी संकायों के डीन व प्राचार्यों आदि ने अहम भूमिका अदा की।

बीटीसी पाठ्यक्रम का शुभारंभ

सुभारतीपुरम : स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के शिक्षा संकाय में बीटीसी पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने की अनुमति शासन द्वारा प्राप्त हो गयी है। यह दो वर्षीय अवधि का एक नियमित पाठ्यक्रम है जो कि एनसीटीई से मान्यता प्राप्त है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम एनसीईआरटी लखनऊ से अनुमोदित है और इस कोर्स के लिये शासन की तरफ से 50 सीटों की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

समसामयिकी

➪ मंत्रिमंडल ने भारतीय खाद्य निगम कर्मचारियों हेतु पेंशन एवं सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा योजनाओं को सेवानिवृत्ति लाभ के तौर पर स्वीकृति दी।

➪ भारतीय जिमनास्ट दीपा करमाकर फाइनल में हारीं पर जीता इंडिया का दिल।

➪ गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को ललकारते हुए कहा कि अब अगली बात पाक अधिकृत कश्मीर पर होगी।

➪ श्रीराम राजामणी माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया लैब के मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त।

➪ आदित्य बिड़ला नूवो का ग्रासिम में विलय को मंजूरी।

➪ वस्तु और सेवाकर का अनुमोदन करने वाला असम पहला राज्य बना।

➪ मनोहर परिकर ने भारत पर्व का उद्घाटन किया।

➪ माइकल फेलेप्स ने 22वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता।

➪ राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2016 और गुजरात भूमि विधेयक 2016 को मंजूरी दी।

➪ शिक्षण कार्य के दिनों में शिक्षकों से चुनाव ड्यूटी नहीं : इलाहबाद उच्च न्यायलय।

➪ राज्यसभा में मातृत्व लाभ (संशोधन) विधेयक 2016 पारित।

➪ संसद ने केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक को मंजूरी दी।।

➪ कजाकिस्तान के निजात राहिमो ने रियो ओलम्पिक (भारत्तोलन) और दिमित्री बलान्डिन ने (तैराकी) में स्वर्ण पदक जीता।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ...

जया कुमारी
बीजेएमसी फर्स्ट ईयर

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ का अर्थ है लड़कियों को बचाओ और उन्हें पढ़ाओ। इस योजना की शुरुआत सरकार द्वारा वर्ष 2015 के जनवरी माह में हुई थी। इस योजना का मकसद है की समाज में महिलाओं और लड़कियों के लिए अवसरों को बढ़ाना और लोगो बीच जागरूकता उत्पन्न करना। आज समाज में लड़कियों के प्रति मानसिकता बहुत बुरी हो चुकी है। लोग ऐसा मानते हैं कि लड़किया परिवार के लिए बोझ हैं। कुछ लोग ऐसी सोच रखते है कि लड़किया सिर्फ घर के काम के लिए बनी हैं। वो सिर्फ चूल्हा चौका करने और रोटियां सेंकने के लिए होती हैं। हमारे समाज में बहुत से स्थानों पर लड़कियों को घर से निकलने तक नहीं दिया जाता, उन्हें पढ़ने भी नहीं दिया जाता। यहाँ तक की उनको कोख में ही मार दिया जाता है और अगर उनका जन्म हुआ भी तो उन्हें कई तरह के भेदभाव से गुजरना पड़ता है जैसे शिक्षा, खान–पान, अधिकार आदि। लड़कियों को बचपन से यही अहसास दिलाया जाता है कि वह लड़की है, वो ये नहीं कर सकती, वो ये नहीं पहन सकती, वो यहां नहीं जा सकती।

इस कार्यक्रम की शुरुआत करते समय प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय लोगों की ये सामान्य धारणा है कि लड़किया अपने माता–पिता का सहारा नहीं बन सकतीं, क्योंकि वह पराया धन होती हैं। वहीं शिक्षित वर्ग आज इसे तुच्छ सोच मानता है, क्योंकि लड़कियां घर की खुशहाली होती हैं।

इस योजना के द्वारा लोग जागरूक हो सके और भ्रूण हत्या पूरी तरह से खत्म हो सके और एक लड़के की भांति ही एक लड़की के पैदा होन पर भी खुशियां मनाई जाएं और उन्हें शिक्षित किया जाए।

इस योजना के लिए मैं कुछ शब्द बोलना चाहती हूं :

नये दौर नये युग की हैं जान बेटियां
माता–पिता की आन–बान–शान हैं बेटियां
सृष्टि को आगे बढ़ाती रही हैं बेटियां
धरती ही नहीं आज आसमान हैं बेटियां
हिमालय से भी उंची है इनकी उड़ान अब
किसी की मोहताज नहीं इनकी पहचान अब
झुकता है इनके आगे सारा जहान अब
भारत ही नहीं विश्व चलाती हैं बेटियां
बेटियां न हो तो संसार न चले
बेटियां न हो तो परिवार न चले
जिस घर में न हों ये, वो घर बार न चले
ममता ही नहीं प्यार की पहचान हैं बेटियां।

क्लिक ऑफ द वीक

फोटो: शिप्रांशु पांडे

संरक्षक : डा. अतुल कृष्ण (संस्थापक सुभारती विवि), डा. शल्या राज (अध्यक्ष), डा. एनके आहूजा (कुलपति सुभारती विवि) **फैकल्टी इंचार्ज :** अरविन्द कुमार **संपादकीय टीम :** जया कुमारी (बीजेएमसी प्रथम वर्ष), यासिर अरफात (एम.फिल)
फोटोग्राफी टीम : शिप्रांशु पांडेय (बीजेएमसी तृतीय वर्ष), **पेज सज्जा :** अरविन्द कुमार
(आप अपने सुझाव और प्रश्न हमारी ईमेल आईडी gsvsijmcenewsletter@gmail.com पर भेज सकते हैं। हमसे संपर्क करने के लिए डायल करें : 0121–3055017, 9456068123) —— प्रकाशित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा ——